PAPER-III
ANTHROPOLOGY

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________
   (Name) ______________________________
2. (Signature) ____________________________
   (Name) ______________________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________________

(In words)

D	0	7	1	0

Time : 2 $^{1}/_{2}$ hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

ANTHROPOLOGY

मानव विज्ञान

PAPER – III

प्रश्नपत्र – **III**

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ** (200) अंकों का है एवं इसमें **चार** (4) खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I
खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस–बीस** (20) अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पाँच सौ** (500) शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Describe the uniqueness of Anthropology as a discipline.
एक विषय के रूप में नृविज्ञान की अद्वितीयता की व्याख्या करें ।

OR / अथवा

Write an essay on the nature and relevance of inter-disciplinary research in contemporary times.
समकालिक काल में अंतर्विषयक शोध की प्रकृति और प्रासंगिकता पर निबन्ध लिखिये ।

2. What are the characteristics of a good research design ? Delineate various steps involved in formulating a research design.
एक अच्छे या उत्तम शोध डिजाइन की विशेषताएँ क्या हैं ? शोध डिजाइन को सूचीबद्ध करने से जुड़े विभिन्न उपायों का वर्णन कीजिये ।

OR / अथवा

Discuss the nature of tribal unrest in India and suggest possible remedial measures.
भारत में जनजाति असन्तोष की प्रकृति की विवेचना कीजिए और संभावित उपचारी उपाय बताइये ।

SECTION – II
खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the **three** questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन** (3) प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल **एक** ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के **तीनों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह** (15) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ** (300) शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I
ऐच्छिक – I
Socio-Cultural Anthropology
सामाजिक-सांस्कृतिक मानव विज्ञान

3. Distinguish between questionnaire and interview schedule and discuss relative advantages and disadvantages of questionnaire as tool of data collection.
प्रश्नावली और साक्षात्कार अनुसूची के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिये और आँकड़े एकत्रित करने के औजार के रूप में प्रश्नावली के तुलनात्मक लाभों एवं अलाभों की विवेचना करें ।

4. Discuss the problems of land alienation and indebtedness among tribes of India.
भारत की जनजातियों के मध्य भूमि-अपवर्तन और ऋणग्रस्तता की समस्याओं की विवेचना करें ।

5. "Reservation of women in Panchayati Raj has empowered them." Comment.
"पंचायती राज में महिलाओं के लिये आरक्षण ने उनका सशक्तिकरण किया है ।" टिप्पणी करें ।

OR / अथवा

Elective – II
ऐच्छिक – II
Physical Anthropology
शारीरिक मानव विज्ञान

3. What is Neo-Darwinism ? How does it differ from Darwinism ?
नव डार्विनवाद क्या है ? यह डार्विनवाद से किस प्रकार भिन्न है ?

4. Describe the anatomical and cultural features of <u>Homo</u> <u>erectus.</u>
होमो-इरेक्टस की शरीर रचना विषयक और सांस्कृतिक विशेषताओं का वर्णन करें ।

5. Discuss the various steps involved in Genetic Counselling.
जैविक परामर्श से जुड़े विभिन्न सोपानों की विवेचना करें ।

OR / अथवा

Elective – III
ऐच्छिक – III
Prehistoric Archaeology
प्रागैतिहासिक वास्तुकला

3. Discuss various methods of Radiometric dating.
रेडिओमीट्रिक डेटिंग की विभिन्न पद्धतियों की विवेचना करें ।

4. Write an essay on lower Palaeolithic culture complexes of India.
भारत के निम्न पुरापाषाणी संस्कृति संसृष्टियों पर निबन्ध लिखें ।

5. Discuss about the salient features of Mesolithic cultures of Europe.
यूरोप के मध्य पाषाण काल की संस्कृतियों की मुख्य विशेषताओं की विवेचना करें ।

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस** (10-10) अंकों के **नौ** (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास** (50) शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. What are the characteristics of a good key informant ?
उत्तम मुख्य सूचनादाता की विशेषताएँ क्या हैं ?

7. Distinguish between ascribed and achieved status ?
असक्राइबड (आरोपित) और अँचीवड (या प्राप्त) सामाजिक स्थिति के बीच अन्तर करें ।

8. Bring out the distinction between integration and assimilation.
एकीकरण और समीकरण (एस्सीमिलेशन) के बीच अन्तर स्पष्ट करें ।

9. Describe the pattern of inheritance of sex-linked traits.
लिंग सम्बन्धित विशेषताओं की विरासत (उत्तराधिकार) के पैटर्न की व्याख्या करें ।

10. Importance of Dermatoglyphics in personal identification.
वैयक्तिक पहचान में अंगुलिचिह्न विधा का महत्त्व ।

11. Biocultural mechanisms of high altitude adaptation.
अधिक ऊँचाई के स्थानों के साथ अनुकूलन की जैव-सांस्कृतिक क्रियाविधियाँ (या प्रक्रियाएँ) ।

12. Causes of ethnic conflicts in India.
भारत में नृजातीय संघर्षों के कारण ।

13. Briefly discuss about prehistoric art.
प्रागैतिहासिक कला के बारे में संक्षेप में विवेचना करें ।

14. State the salient features of Indian Neolithic cultures.
भारतीय नवपाषाणी संस्कृतियों की मुख्य विशेषताएँ बताइए ।

SECTION – IV
खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस** (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** (5) अंकों का है ।

(5 × 5 = 25 अंक)

Agricultural and industrial development programmes sponsored by national governments or international agencies aim to strengthen economies, raise living standards, and improve health in impoverished rural communities. Development theory emphasizes the importance of modernizing in technology, agricultural production for trade, and industrialization dependent on a mobile labour force. When measured by Gross National Product (GNP), median family or household income, and longer life expectancy, advances can be demonstrated, but researchers still question the impact of economic development on different sectors of the population.

When the differential effects of development on men and women were first systematically explored, evidence suggested that modernization contributed to a decline in women's status, especially in Africa and Asia. In Africa, landownership has passed from the collective control of kinship groups to individual control, increasingly concentrated in the hands of men. As land utilization has changed from

an emphasis on subsistence to production for trade in national and global markets, women have seen their role in subsistence farming diminished. As their centrality in family production shrinks, their status has also declined. In Asia, mechanization and technological advances in farming have tended to favour male farm workers.

An additional element in weighing the changes in women's status is their role in social reproduction and the gender division of labour in the household. The domestic labour that women do helps support family members and makes their participation in agriculture or industry possible. Policy planners and analysts of economic development often ignore this element. Furthermore, in societies where attitudes about gender limit women's ability to participate in work outside the home, their social status declines as societal value is placed on wage-earning activities.

Women's actual contributions to the world economy are often distorted and rendered invisible because of the inadequacy of research and statistics on labour force participation in the public sphere and because women's economic contributions in the home are ignored. Productive work or "active labour" is generally interpreted as participation in income-earning activities. Because much of women's work is in subsistence agriculture, home craft production, or the "informal" labour sector in urban environments (peddling, domestic service), their economic contributions are often seriously underestimated. In addition, census classifications of workers according to their "main" occupation tend to ignore women's economic contributions because they are classified as home workers without detailing their specific contributions to subsistence and also to extra household income such as making foods or crafts for sale. Finally, development programmes often focus on the generation of work itself rather than on the reasons that women are not qualified, rooted in their lack of training and education because of discriminatory attitudes.

राष्ट्रीय सरकारों या अंतर्राष्ट्रीय एजेन्सियों द्वारा प्रायोजित कृषि एवं औद्योगिक विकास कार्यक्रम, अर्थव्यवस्थाओं को सुदृढ़ करना चाहते हैं, जीवन-निर्वाह के स्तर उठाना चाहते हैं, और दरिद्र ग्रामीण समुदायों में स्वास्थ्य को सुधारना चाहते हैं । विकास सिद्धान्त, प्रौद्योगिकी में आधुनिकीकरण, व्यापार के लिये कृषि उत्पादन, और गतिशील श्रम शक्ति पर निर्भर औद्योगिकीकरण के महत्त्व पर जोर देता है । जब सकल राष्ट्रीय उत्पादन, माध्यिक परिवार या पारिवारिक आय और दीर्घ जीवन प्रत्याशा द्वारा मापतोल करने पर उन्नति को दिखाया जा सकता है, परन्तु शोधकर्त्ता अभी भी जनसंख्या के भिन्न क्षेत्रों पर आर्थिक विकास के प्रभाव को लेकर सवाल उठाते हैं ।

जब पुरुषों एवं स्त्रियों पर विकास के विभेदी प्रभावों की व्यवस्थित रूप से सर्वप्रथम गवैषणा की गई तो प्रमाण बताता है कि आधुनिकीकरण ने स्त्रियों की सामाजिक स्थिति की गिरावट में योगदान दिया है, विशेष रूप से अफ्रीका और एशिया में । अफ्रीका में, भू-स्वामित्व सगोत्र समूहों के सामूहिक नियन्त्रण से निकल कर वैयक्तिक नियन्त्रण में आ गया है, और पुरुषों के हाथ में ज्यादा से ज्यादा केन्द्रित हो गया है । जब भूमि उपयोग जीवन निर्वाह पर जोर, राष्ट्रीय एवं वैश्विक बाजारों के लिये उत्पादन पर जोर में बदल गया तो स्त्रियों को जीवन निर्वाह खेती में अपनी भूमिका में कमी देखने को मिली । पारिवारिक उत्पादन में उनकी केन्द्रीयता संकुचित हो जाने से उनकी स्थिति में भी गिरावट आई है । एशिया में, खेती में यंत्रीकरण और प्रौद्योगिकीय उन्नति ने पुरुष कृषि कामगारों का पक्ष लिया है ।

स्त्रियों की सामाजिक स्थिति में परिवर्तनों का मापतोल करने में अतिरिक्त तत्त्व, सामाजिक पुनरुत्पादन और परिवार में श्रम के लिंगीय विभाजन में उनकी भूमिका है । स्त्रियाँ जो घरेलू श्रम करती है उससे परिवार के

सदस्यों के भरण-पोषण में सहायता मिलती है और कृषि एवं उद्योग में उनकी सहभागिता संभावित बनती है । आर्थिक विकास के नीतिगत नियोजक और विश्लेषक इस तत्त्व की अक्सर उपेक्षा करते हैं । इसके अतिरिक्त, उन समाजों में जहाँ लिंग के बारे में दृष्टिकोण, घर से बाहर कार्य में सहभागिता करने की स्त्रियों की योग्यता को सीमित करता है, उनकी सामाजिक स्थिति गिरती है, क्योंकि मजदूरी-अर्जक गतिविधियों को सामाजिक मूल्य दिया जाता है ।

विश्व अर्थव्यवस्था के प्रति स्त्रियों के वास्तविक योगदानों को अक्सर तोड़-मरोड़ कर बताया जाता है और सार्वजनिक क्षेत्र में श्रम शक्ति सहभागिता पर शोध एवं सांख्यिकी की अपर्याप्तता के कारण उसे अदृश्य बना दिया जाता है और क्योंकि घर में स्त्रियों के आर्थिक योगदानों की उपेक्षा की जाती है । उत्पादनकारी कार्य या "सक्रिय श्रम" का निर्वचन अक्सर आय-अर्जक गतिविधियों में सहभागिता के रूप में किया जाता है । क्योंकि स्त्रियों का अधिकांश कार्य जीवन निर्वाह स्तर की कृषि, घरेलू शिल्प उत्पादन, या शहरी वातावरणों में "अनौपचारिक" श्रम क्षेत्र (पैडलिंग, घरेलू कार्य) में होता है, उनके आर्थिक योगदानों का अक्सर कम अन्दाजा लगाया जाता है । इसके अतिरिक्त, जनगणना में कामगारों का उनके मुख्य व्यवसाय के अनुसार वर्गीकरण स्त्रियों के आर्थिक योगदानों की उपेक्षा करता है, क्योंकि उनका वर्गीकरण परिवार के कामगारों के रूप में किया गया है, और जीवन निर्वाह के प्रति उनके विशिष्ट योगदानों और अतिरिक्त पारिवारिक आय, जैसे बिक्री के लिये खाद्य पदार्थ या शिल्प वस्तुएँ बनाना, का कोई ब्यौरा नहीं दिया गया है । अंत में, विकास कार्यक्रम अक्सर खुद कार्य के ही जनन पर फोकस करते हैं, बजाय कारणों पर फोकस करने के कि विभेदात्मक दृष्टिकोणों की वजह से स्त्रियाँ योग्य नहीं हैं और प्रशिक्षण और शिक्षा के अभाव में गढ़ी हैं ।

15. What are the differential effects of development on men and women ?
पुरुषों और स्त्रियों पर विकास के विभेदात्मक प्रभाव क्या हैं ?

16. Why women's contribution to economy remains invisible ?
अर्थव्यवस्था के प्रति स्त्रियों का योगदान क्यों अभी तक अदृश्य बना हुआ है ?

17. What do various development programmes aim at ?
विभिन्न विकास कार्यक्रमों का लक्ष्य क्या हैं ?

18. How does attitude about gender affect women's status ?
लिंग के बारे में दृष्टिकोण स्त्रियों की सामाजिक स्थिति को किस प्रकार प्रभावित करता है ?

19. What kind of work women do in informal sector ?
अनौपचारिक क्षेत्र में स्त्रियाँ किस प्रकार का कार्य करती हैं ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....